(44 of 1958) this House do proceed to elect, in such manner as the Chairman may direct, two members from among the members of the House to be members of the National Shipping Board with effect from the date of reconstitution of the Board."

The question uas put *and the motion was adopted.*

RE. QUESTION OF PRIVILEGE

SHRI A. G. KULKARNI (Maharashtra); Sir, I want to draw your attention to the notice of privilege motion given by me. Please bear with me for a moment. An hon. Member of Parliament has cast reflection ... No, Sir, I have given a privilege motion. It is my right to draw your attention to it. It is against the coduct of a Parliamentary Committee. He has questioned the motive

MR. CHAIRMAN: You cannot raise it like this.

आप तो बहुत पुराने मैम्बर हैं, ऐसा न करिये आप ।

SHRI P. N. SUKUL (Uttar Pra-desh): Sir it involves the prestige of the House. (Interruptions)

श्री सभापति : आप बहुत बुजुर्ग आदमी हैं, अब बैठ जाइये आप ।

SHRI A. G. KULKARNI: Why should I come there, Sir? Because Bofors is not only a red rag, now it is the prime motive of some of my friends to bring the Government to disrepute.

MR. CHAIRMAN: You give it to me. I will consider it.

SHRI A.G. KULKARNI: I would plead with you, Sir, this motion to disrepute. The words used are— Sir, would you allow me?... *(Interruptions)* ... He has used the words ... *(Interruptions)*

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Tamil Nadu): Sir, have you allowed him to raise it?

SHRI A. G. KULKARNI: He has tried to denigrate Parliament.

श्री सभापति : आप बुजुर्ग हैं, मैं आपका एहतराम कर रहा हूं । आप बैठ जाइये प्लीज़ ।

SHRI A. G. KULARNI: Sir, what does it mean? Sir, have you heard me?

श्री सभापति : मेरी आपसे बात हुई थी मैंने कहा था कि देखेंगे । आप चैम्बर में आ...(व्यवधान)

SHRI A. G. KULKARNI: मुझे चैम्बर का मालूम नहीं किधर है... I am standing here and moving the privilege motion. It is for you to accept it.

श्री सभापति : मुझे देखने तो दीजिये न । (व्यवधान) आप देखने दीजिये मुझे प्लीज़ ।

SHRI A. G. KULKARNI; An hon. Member has imputed motives to a Parliamentary Committee. He has denigrated Parliament. *(Interruptions)*

SHRI P. N. SUKUL: Sir, you have to uphold the prestige of Parliament.

SHRI A. G. KULKARNI: You have to uphold the prestige of Parliament. ... (Interrupttionsi) ...

MR. CHAIRMAN: I know... (Interruptions) ... Let me consider the whole thing.

SHRI A.G. KULKARNI: Sir, either you hear me... *(Interruptions)* ...

MR. CHAIRMAN; You write to me.

SHRI A.G. KULKARNI; Tomorrow you hear me—I don't mind.

MR. CHAIRjMAN: Tomorrow you

SHRI A.G. KULKARNI; I have given notice.

MR CHAIRMAN: I am not permitting you. आप बुजुर्ग आदमी हैं. . . (व्यवधान)

Don't take undue advantage of your age... (InterVuptiorw)...

साहब आप बुजुर्ग आदमी हैं, मैं इतना ख्याल कर रहा हूं ।

SHRI L. K. ADVANI; Special Mentions... *(Interruptions')*...

श्री ओम प्रकाश चौटाला (हरियाणा) :**

श्री सभापति : मैंने उसकी इजाजत नहीं दी है। आपकी बात कुछ नहीं आयेगी। Nothing will go on record. He is speaking without any permission.

श्री ओम प्रकाश चौटाला**

श्री सभापति : आपको यहां नहीं पूछना है।

श्री ओम प्रकाश चुटाला :**

श्री सभापति : नया मेम्बर होने में यह बात नहीं है कि हाउस में गड़बड़ कीजिए ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला :**

श्री वीरेन्द्र वर्मा (उत्तर प्रदेश) :*

श्री सभापति : आप बैठ जाइये . . . (व्यवधान)

Nothing will go On record... (*Interruptions)* ... इनका भी नहीं आ रहा है, इनका भी नहीं आ रहा है ।

I am not permitting anybody *(Interruptions)...*

SHRI A.G. KULKARNI: Read my notict here.

MR. CHAIRMAN: I will read it, but not here... (Interruptions)... I am not going to decide it now: I have told you already. There the matter ends. Please, please.

(व्यवधान)

आप सब बैठ जाइये।. . . (व्यवधान) बूढ़े, नौजवान की लड़ाई नहीं करानी है, मैं कहां जाऊंगा। बूढ़े, नौजवान के बीच में मेरा क्या हाल होगा ।

SHRI JASWANT SINGH (Rajas than): **

MR. CHAIRMAN; No, No, please. . (InterruptionsqLLL Nothing will go on record... *(Interruptions)*.. .I have said "No". आप में से जो भी मेरी पर नहीं जायेगा ।

श्री सत्य पाल मलिक (उत्तर प्रदेश) : **

श्री सभापति : यह किसी के खिलाफ नहीं है। तमाशा नहीं है। मुझसे मिलिए आकर. . . (व्यवधान) आपका रिकार्ड पर नहीं जा रहा है. . . (व्यवधान) अगर आपका मूड नहीं है कुछ काम करने का तो दोनों तरफ छुट्टी दे दें. . . (व्यवधान) मेरा तो गला बैठ गया है। आप लोगों का गला बढ़िया है तो मैं क्या करूं. . . (व्यवधान)

SHRI JASWANT SINGH:

MR. CHAIRMAN: Nobody has been named. It has not gone on record. Kindly sit down... (Interruptions)... It is not going on record. Kindly sit down. If you speak, then he speaks, then another Members speaks. You are not on record. No. Your name is not on record. The matter ends.

SHRI JASWANT; * *

MR. CHAIRMAN; My throat is sore but not so sore that you cannot hear me.

SHRIJASWANT;**

SHRIA.G.KULKARNI: **SHRIP.N.SUKUL;**

MR. CHAIRMAN: Whatever they say, either from this side or from that side, will not go on record.

SHRI SATYA PAL MALIK: * * MR.

CHAIRMAN: आपकी बात भी रिकार्ड पर नहीं जा रही है और उनकी भी नहीं जा रही है।

SHRI- SATYA PAL MALIK: * *

MR. CHAIRMAN; Please sit down. Kindly sit down. Mr. Advani will make a special mention.

यह जो आप बोल रहे हैं यह व्यवस्था का नहीं, अव्यवस्था का प्रश्न है।

SHRI RAM AWADHESH SINGH (Bihar); • *

श्री सभापति : यह कोई व्यवस्था का सवाल नहीं है। व्यवस्था के नाम पर अव्यवस्था का प्रश्न नहीं उठाया जाता है, यह पार्लियामेंट का रूल है।

SHRI SATYA- PAL MALIK: * * (MR.

CHAIRMAN; माफी नहीं चाहिए, मुझे कुछ नहीं चाहिए। वह किस्सा खत्म हो गया। I cannot permit, under the garb of making a point of order, raising a question.

SHRI SATYA PAL MALIK: * *

MR. CHAIRMAN: You know it, you are a senior Member.

यहां बोलने के पहले मेरी परमिशन चाहिए। मैंने परमिशन नहीं दी है और वह बात खत्म हो गयी। ... **(व्यवधान)** सुन लीजिए, मेरा गला तो आपका मुकाबला नहीं कर सकता, बैठ गया है आलरेडी, और यह बूढ़े और नौजवान लड़ने लगें, तो मेरी मुसीबत हो जाती है।

असली प्रश्न यह है कि आपको बोलने के पहले मेरी इजाजत लेनी चाहिए। वह जब मैंने नहीं दी, तो वह प्रश्न नहीं आता है। प्वाइंट आफ आर्डर के नाम से कोई भी प्रश्न प्वाइंट आफ आर्डर के नाम से नहीं उठाया जाता है। इसी-लिए बड़े रूलिंग्ज हैं कि प्वाइंट आफ आर्डर और प्वाइंट आफ डिस-आर्डर में क्या फर्क होता है।

श्री वीरेन्द्र वर्मा : **

उपसभापति : मुझे मालूम है। जब मेरी इजाजत नहीं ली—मैं फिर वही रिपीट करता हूं—तो मैंने जब इनको परमिशन नहीं दी, तो बात खत्म हो गई। वह रिकार्ड पर नहीं आएगी। मैंने बात खत्म कर दी है, आपके लिए खत्म नहीं है, तो आप सेंट्रल हाल में बात कर लेना आपस में, गला फाड़ने के लिए वहां बहुत गुंजाइश है। यहां कम से कम... **(व्यवधान)** मेरा गला तो बैठ गया है, उस पर दया करें और आगे चलने दो।

श्री राम अवधेश सिंह : **

श्री सभापति : आप भी अव्यवस्था करते हैं, वह भी करते हैं। एक-दूसरे से कोई कम थोड़े ही हैं—कौन ज्यादा और कौन कम है, यह मैं थोड़े ही देख रहा हूं। ... **(व्यवधान)**

श्री सत्य पाल मलिक : **

श्री सभापति : अब व्यवस्थित रूप से काम चलने दीजिए।

*Not recorded.